उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी : पाटन

हिन्दी विषयका पाठ्यक्रम

एम. ए. भाग-१

(जून २००८ से कार्यान्वित)

(प्रश्नपत्र-१, २, ३ मुख्य हिन्दी के छात्रों के लिए)

(प्रश्नपत्र १, २, ३, ४ एन्टायर हिन्दी के छात्रों के लिए)

(केवल प्रश्नपत्र-१, गौण विषय के रूप में हिन्दी पढ़नेवाले छात्रों के लिए)

प्रश्नपत्र-१ : "आधुनिक गद्य साहित्य" (मुख्य तथा गौण)

पाठ्यविषय : "यू.जी.सी. मॉडल पाठ्यचर्चा" में सूचित रचनाकारों एवं रचनाओं में से निम्नानुसार रचनाओं का चयन किया गया है ; जिन पर व्याख्यात्मक, आलोचनात्मक, लघूत्तरी (टिप्पणियाँ) तथा वस्तुनिष्ठ / अति लघूत्तरी प्रश्न पूँछे जाएँगे ।

(१) नाटक :

(१) चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद
प्रका. मयूर पेपर बैक्स, नोएडा-२०१३०१

(२) कथा एक कंस की – दया प्रकाश सिन्हा
प्रका. – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

(२) उपन्यास :

(१) मैला आँचल – फणीश्वरनाथ रेणु

(३) निबन्ध :

(१) चिन्तामणि भाग-१ - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ये निबन्ध पाठ्यक्रम में रखे गये है : भाव या मनोविकार, उत्साह, श्रद्धा भक्ति, करुणा, लज्जा और ग्लानि, लोभ और प्रीति, क्रोध, कविता क्या है ? काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था, तुलसी का भक्तिमार्ग, 'मानस' की धर्म-भूमि)

(४) कहानीसंग्रह :

(१) "मेरी प्रिय कहानियाँ" - मन्नू भंडारी

प्रका. – राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली

(५) जीवनी :

(१) "आवारा मसीहा" – विष्णु प्रभाकर

प्रका. – राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली

आवश्यक सूचना : उपरोक्त सभी प्रकार के प्रश्न – व्याख्यात्मक, आलोचनात्मक, लघूत्तरी (टिप्पणी) तथा वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी आदि सभी उपर्युक्त पाँचों पुस्तकों में से ही पूँछे जाएँगे ।

द्रुत पाठ हेतु : निम्नांकित नाटककार, ५ उपन्यासकार, ५ निष्यंकार, ५ कहानीकार और ५ स्फुट गद्य विद्याओं के रचनाकारों का चयन किया गया है । प्रत्येक विद्या से संबंधित १-१ लघूत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा ।

नाटककार : भारतेन्दु हरिश्चंद्र, लक्ष्मीनारायण मिश्र, उपेन्द्रनाथ अश्क, जगदीशचंन्द्र माथुर, लक्ष्मीनारायण लाल ।

उपन्यासकार : जैनेन्द्र, यशपाल, रामदरश मिश्र, निर्मल वर्मा, मन्नू भण्डारी ।

निबंधकार : भारतेन्दु हरिश्चंद्र, प्रताप नारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, शिवपूजन सहाय, सरदार पूर्ण सिंह ।

कहानीकार : यशपाल, शिवप्रसाद सिंह, भीष्म साहनी, अमरकान्त ।

स्फुट ग्रंथ : १. अमृत राय । कमल का सिपाही । २. शिवप्रसाद सिंह । उत्तरयोगा । ३. हरिवंशराय बच्चन । क्या भूलु क्या याद करूं । राहुल सांकृत्यायन । घुमक्कड शास्त्र । ४. माखनलाल चतुर्वेदी । साहित्य देवता ।

अंक विभाजन

आंतरिक विकल्प के साथ

३ व्याख्याएँ : ३ X १० ३० अंक
२ आलोचनात्मक प्रश्न २ X १५ = ३० अंक
२ लघूत्तरी प्रश्न ५ X ४ = २० अंक

२० वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न २० X १ = २० अंक

संदर्भ ग्रंथ :

(१) जयशंकर प्रसाद : सृष्टि और दृष्टि – कल्यालमल लोढ़ा

प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

(२) प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
प्रका. सरस्वती मंदिर, वाराणसी

(३) प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक : डॉ. धनंजय
प्रका. स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद

(४) नाटककार जयशंकर प्रसाद : संपा. सत्येन्द्र तनेजा
प्रका. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

(५) प्रसाद के नाटक : डॉ. सिद्धनाथकुमार
प्रका. दि मैकमिलन क. ओफ इंडिया, दिल्ली

(६) प्रसाद के नाटक : युग साक्ष्य : रमेश गौतम
प्रका. सम्राट पब्लिकेशन, दिल्ली

(७) प्रसाद के नाटकों में इतिहास, संस्कृति, धर्म, दर्शन और कला : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
प्रका. राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली

(८) प्रसाद के नाटक : रचना और प्रक्रिया : डॉ. जगदीशप्रसाद श्रीवास्तव
प्रका. साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद

(९) नयी रंग चेतना और हिन्दी नाटककार : डॉ. जयदेव तनेजा
प्रका. तक्षशिला प्रकाशन, ९८ ए, हिन्दी पार्क, दरियाजंग, नई दिल्ली

(१०) हिन्दी रंगकर्म : दशा और दिशा : डॉ. जयदेव तनेजा
प्रका. तक्षशिला प्रकाशन

(११) आधुनिक हिन्दी नाटक : भाषिक और संवादीय संरचना : डॉ. गोविन्द चातक
प्रका. तक्षशिला प्रकाशन

(१२) हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : डॉ. रामदरश मिश्र
प्रका. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पटना, इलाहाबाद

(१३) आधुनिक परिदृश्य : आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास – विद्या सिन्हा
प्रका. वाणी प्रकाशन, रा ए दरियागंज, नई दिल्ली

(१४) मैला आँचल की रचना प्रक्रिया : डॉ. देवेश ठाकुर
प्रका. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

(१५) हिन्दी नाटक : रंग शिल्प दर्शन – विकल गौतम
प्रका. वाणी प्रकाशन, रा-ए दरियागंज, नई दिल्ली

(१६) हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : संपा. डॉ. रामदरश मिश्र
प्रका. गिरनार प्रकाशन, महेसाना (उ.गु.)

(१७) हिन्दी साहित्य में निबंध और निबंधकार : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त
प्रका. रचना प्रकाशन, इलाहाबाद

(१८) हिन्दी निबंधकार : जयनाथ नलिन
प्रका. आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली

(१९) प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार : डॉ. हरिमोहन
प्रका. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

(२०) हिन्दी निबंध के सो वर्ष : डॉ. मृत्युंजय उपाध्याय
प्रका. गिरनार प्रकाशन, महेसाना (उ.गु.)

(२१) कहानी और कहानीकार : डॉ. सुमनकुमार सुमन
प्रका. सूर्य प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली-११०००५

(२२) हिन्दी कहानी और कहानीकार : प्रा. वासुदेव
प्रका. वाणी विहार, ५८-१००, बड़ा गणेश, वाराणसी

(२३) हिन्दी कहानी : एक अन्तर्यात्रा : डॉ. वेदप्रकाश ओमताम
प्रका. गिरनार प्रकाशन, महेसाना (उ.गु.)

(२४) हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान : रामदरश मिश्र
प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

(२५) समकालीन हिन्दी कहानी : पुष्पपाल सिंह
प्रका. हरियाणा साहित्य अकादमी, चन्दीगढ

(२६) हिन्दी का आत्मकथा साहित्य : डॉ. पिश्वबन्धु वापतवाल
प्रका. राधा प्रकाशन, दिल्ली

(२७) हिन्दी निबन्ध का इतिहास : डॉ. मृत्युंजय उपाध्याय
प्रका. तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

(२८) हिन्दी निबन्ध के आधार स्तम्भ : प्रो. हरिमोहन
प्रका. तक्षशिला प्रकाशन

(२९) प्रतिनिधि हिन्दी निबन्धकार : प्रो. हरिमोहन
प्रका. तक्षशिला प्रकाशन

(३०)

प्रश्नपत्र-२ : "प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य"

पाठ्यविषय : इस प्रश्नपत्र में निम्नांकित छह कवि पठनीय हैं। इनकी कृतियों में से व्याख्या, आलोचनात्मक प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

(१) विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह

प्रका. लोकभारती प्रकाशन, १५-ए. महात्मा गांधीमार्ग, इलाहाबाद - १

पाठ्यक्रम में निम्नांकित चुने हुए कुल २५ पद निर्धारित किये गए है।

पद संख्या : ३, ४, ५, ९, ११, १२, १५, ३०, ३५, ४२, ४७, ५४, ५८, ६३, ६५, ७९, ८०, ८१, ८२, ८३, ९५, ९८, १००, १०२ = २५ पद

(२) कबीर : आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

प्रका. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(१) निम्नांकित २५ पद :

पद संख्या : १, ३, ५, २२, ३३, ३५, ४०, ४१, ४३, ५७, ६५, १०८, ११०, ११८, १३०, १३४, १४१, १५३, १६०, १६३, १६५, १६८, १७३, २१२, २४७ = २५ पद

(२) सांख्यां / दोहे : ५०

संख्या : १०३/२ ; १०६/३,४ ; ११३/१,४,५ ; ११५/१,४,५ ; १३९/१,३ ; १४८/१,२,३ ; १५७/१,२,३ ; १६१, १६२, १७५/१,२,३ ; १७६/१,२ ; १७७/१,२,३ ; २००/१,३ ; २०१/२,४,५ ; २०२/१,२ ; २०३/२ ; २०४/२१९/१,२ ; २२०/१ ; २२१/१ ; २२२/२ ; २३२/१,२,३ ; २३४/१,२ ; २३९/१,२ ; २३९/१,२ ; २४१/१,२ ; २४५/१,२ ; २४६/३ ; २५५

(३) जायसी : पद्मावत : कोई दो खण्ड :

(१) नागमती पियोग खण्ड

(२) नागमती सन्देश खण्ड

(४) सूरदास : भ्रमरगीत सार - आ. रामचन्द्र शुक्ल

निम्नलिखित ५० पद :

४, ६, ८, ९, ११, १६, १८, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, ३१, ३४, ३९, ४१, ४२, ४५, ५०, ५७, ६१, ६२, ६४, ७५, ८५, ८९, ९५, ९७, १००, १०९,

११५, ११७, १३३, १३८, १४८, १७१, १७२, २१०, २७४, २७८, २८२,
३१६, ३६६, ३७५, ३८४, ४०० = ५० पद

(५) रामचरितमानस : गोस्वामी तुलसीदास
अयोध्याकांड = ५० दोहे-चोपाइयां :
दोहा-चोपाइयों का क्रम :

४-१२	राम का राज्याभिषेक - राजतिलक
१३-२३	मंथरा-कैकयी संवाद
२५-३४	कैकयी-दशरथ संवाद
३५-४०	दशरथ पश्चाताप
५२-७०	रामवनगमन
१००-१०५	केवट प्रसंग
११०-११९	रास्ते में ग्रामीण स्त्री-पुरुषों से भेंट
१३२-१३९	चित्रकूट पर्वत - वर्णन
२३३-२४२	चित्रकूट में राम-भरत मिलाप

(६) बिहारी : संक्षिप्त बिहारी - श्री रमाशंकर प्रसाद
प्रका. इंडियन प्रेस, प्राइवेट लि., प्रयाग
निम्नांकित १०० दोहे :
१,२, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, १४, १५, १७, १८, १९, २०, २१, २२,
२३, २८, २९, ३२, ३३, ३५, ३६, ३८, ३९, ४०, ४२, ४४, ५१, ५३, ५४,
५७, ६०, ६२, ६४, ६५, ६६, ६७, ७२, ७४, ७६, ७८, ८०, ८१, ९१, ९५,
९७, १०५, १०९, ११०, १११, ११२, ११४, ११९, १२१, १२२, १२३, १३०,
१३१, १३२, १३९, १४५, १४६, १४७, १५०, १५४, १५७, १५८, १६५,
१६८, १७०, १७८, १८१, १८३, १८५, १८८, १९०, १९१, १९४, १९७,
१९८, २००, २०१, २०३, २०४, २०८, २१२, २१३, २१५, २१६, २१७,
२१८, २२१, २२२, २२४ = १०० दोहे

आवश्यक सूचना : प्रश्नप्रत्र-१ की ही तरह सभी प्रकार के प्रश्न उपरोक्त छहों (६) कवियों की सम्बन्धित कृतियों में से ही पूँछे जाएँगे ।

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित १० कवियों का चयन किया गया है, इनमें से किन्हीं पांच पर लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएगें :

१. अमीर खुसरो २. मीरांबाई ३. रैदास ४. रहीम ५. रसखान
६. केशव ७. देव ८. भूष्ण ९. मतिराम १०. पद्भारक

अंक विभाजन

आंतरिक विकल्प के साथ :
- ३ व्याख्याएँ : ३ X १० = ३० अंक
- २ आलोचनात्मक प्रश्न २ X १५ = ३० अंक
- ५ लघूत्तरी प्रश्न ५ X ४ = २० अंक

२० वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न २० X १ = २० अंक

संदर्भ ग्रंथ :

(१) कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायत
प्रका. साहित्य निकेतन, कानपुर

(२) कबीर साहित्य की परख : आ.परशुराम चतुर्वेदी
प्रका. भारती भंडार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद

(३) कबीर संपा. विजयेन्द्र लातक
प्रका. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

(४) कबीर साहित्य चिन्तन : आ. परशुराम चतुर्वेदी
प्रका. स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद

(५) हिन्दी की निर्गुण काव्य धारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि : डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
प्रका. साहित्य निकेतन, कानपुर

(६) संत कबीर : एक यथार्थमरक मूल्यांकन : डॉ. लक्ष्मीदत्त बी. पंडित
प्रका. विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

(७) कबीर काव्य के सांस्कृतिक स्त्रोत : विनीता कुमारी
प्रका. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली

(८) जायसी : रामपूजन तिवारी
प्रका. राधाकृष्णन प्रकाशन, नई दिल्ली

(९) जायसी की प्रेम-साधना : रामचन्द्र बिल्लौरे
प्रका. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली

(१०) भक्ति काव्य और लोकजीवन : डॉ. शिवकुमार मिश्र
प्रका. वाणी प्रकाशन, रा-ए दरियागंज, नई दिल्ली

(११) रहीम काव्य का समाज शास्त्रीय अध्ययन : मंजू शर्मा
प्रका. साहित्य रत्नालय, कानपुर

(१२) मलिक मुहम्मद जायसी : मौलिक चिन्तन एवं अनुसंधान्धरक नयी समीक्षा : कन्हैयासिंह
प्रका. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली

(१३) पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
प्रका. विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

(१४) सूरदास : आ. रामचन्द्र शुक्ल
प्रका. सरस्वती मंदिर, वाराणसी

(१५) सूर मीमांसा : डॉ. व्रजेश्वर वर्मा
प्रका. ओरिएन्टल बुक डिपो, दिल्ली

(१६) सूर साहित्य : आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
प्रका. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(१७) सूरदाश : संपा. हरिवंशलाल शर्मा
प्रका. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

(१८) महाकविसर : एक पुनश्चिन्तन : डॉ. व्रजेश्वर वर्मा
प्रका. स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद

(१९) सूर का काव्य वैभव : मुन्शीराम शर्मा
प्रका. ग्रन्थम् , कानपुर

(२०) भ्रमर गीत का काव्य सौन्दर्य : सत्येन्द्र पारीक
प्रका. सुशील प्रकाशन, अजमेर (राज.)

(२१) सूर सौरभ : ले. मुंशीराम शर्मा
प्रका. आचार्य शुक्ल साधना सदन, कानपुर

(२२) सूर की भाव-साधना : डॉ. नरेन्द्रसिंह परैजदार
प्रका. गिरनार प्रकाशन, महेसाना (उ.गु.)

(२३) तुलसी : उदयभानुसिंह
प्रका. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

(२४) विश्वकवि तुलसी और उनका काव्य : रामप्रसाद मिश्र
प्रका. सूर्य प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली

(२५) तुलसी दर्शन : डॉ. बलदेवप्रसाद मिश्र
प्रका. हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

(२६) तुलसी : चिन्तन और कला : मदान, इन्द्रनाथ
प्रका. राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

(२७) गोस्वामी तुलसीदास और उनका अयोध्याकांड : पं.यो. गेन्द्रनाथ शर्मा, मधुरम
प्रका. हिन्दी साहित्य भण्डार, लखनऊ

(२८) बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथप्रसाद मिश्र
प्रका. वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी

(२९) बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चनसिंह
प्रका. हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी

(३०) मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी : डॉ. रामसागर त्रिपाठी
प्रका. अशोक प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली

(३१) बिहारी और उनकी सतसई : डॉ. श्री राम शर्मा
प्रका. पाठक प्रकाशन, अलीगढ (उ. प्रदेश)

प्रश्नपत्र-३ : "काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन"

पाठ्यविषय :

(क) संस्कृत काव्यशास्त्र :

काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

रस सिद्धान्त : रस का स्वस्थ, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार-सिद्धान्त : मूल स्थापनाएं, अलंकारो का वर्गीकरण।

रीति-सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाए।

वक्रोक्ति-सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवम् अभिवंजनावाद।

ध्वनि-सिद्धान्त : ध्वनि का स्वस्थ, ध्वनि-सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाए, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत-व्यंग्य, चित्र काव्य।

औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाए, औचित्य के भेद।

(ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र :

प्लेटो : काव्य-सिद्धान्त।

अरस्तू : अनुकरण-सिद्धान्त, त्रासदी-विवेचन।

लोंजाइन्स : उदात्त की अवधारणा।

वईसवर्थ : काव्य-भाषा का सिद्धान्त।

कॉलरिज : कल्पना-सिद्धान्त और ललित-कल्पना।

टी.एस.इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।

आई. ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

(ग) सिद्धान्त और वाद : आभिजात्यवाद, स्वच्छदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविशेश्लेष्ण तथा अस्तित्ववाद।

(घ) हिन्दी कवि-आचार्यो का काव्यशास्त्रीय चिन्तन :

लक्षण-काव्य-परंपरा एवं कवि शिक्षण।

(च) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां :

शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेष्णवादी, शैली वैज्ञानिक, सौन्दर्यशास्त्रीय और समाजशास्त्रीय ।

अंक विभाजन

आंतरिक विकल्प के साथ	संस्कृत काव्यशास्त्र १ आलोचनात्मक प्रश्न १ X ५ = १५ अंक पाश्चात्य काव्यशास्त्र १ आलोचनात्मक प्रश्न १ X ५ = १५ अंक हिन्दी काव्यशास्त्र १ आलोचनात्मक प्रश्न १ X ५ = १५ अंक संस्कृत / पाश्चात्य / हिन्दी काव्यशास्त्र से टिप्पणियाँ ५ + ५ + ५ = १५ अंक

२० वस्तुनिष्ठ अति / लघूत्तरी प्रश्न २० X १ = २० अंक

संदर्भ ग्रंथ :

(१) भारतीय काव्य शास्त्र की परंपरा : डॉ. नगेन्द्र
प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

(२) भारतीय काव्य-शास्त्र की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

(३) रस-सिद्धान्त : डॉ. नगेन्द्र
प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

(४) काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र
प्रका. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

(५) रस-सिद्धान्त : स्वस्थ विश्लेषण : आनन्दप्रकाश दीक्षित
प्रका. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

(६) भारतीय समीक्षा सिद्धान्त : सूर्य नारायण द्वीवेदी
प्रका. संजय बुक सेन्टर, वाराणसी

(७) भारतीय काव्य सिद्धान्त : डॉ. ज्ञानराज काशीनाथ गायकवाड
प्रका. क्वालिटी बुक्स, कानपुर

(८) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मानदण्ड : डॉ. भाऊ साहेब परदेशी
प्रका. चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर

(९) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा : डॉ. नगेन्द्र
प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

(१०) पाश्चात्य साहित्य चिन्तन : निर्मला जैन, कुसुम बांध्या
प्रका. राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., दिल्ली

(११) पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा
प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

(१२) पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी
प्रका. राधाकृष्ण प्रकाश, नई दिल्ली

(१३) पाश्चात्य समीक्षा सिद्धान्त : केसरीनारायण शुक्ल
प्रका. नन्दकिशोर एण्ड सन्स, वाराणसी

(१४) काव्य में उदात्त तत्व : डॉ.नगेन्द्र
प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

(१५) इलियट का काव्यशास्त्र : ओमप्रकाश अवस्थी
प्रका. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली

(१६) साहित्यिक निबंध : राजनाथ शर्मा
प्रका. विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

(१७) साहित्यिक निबंध : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
प्रका. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

प्रश्नपत्र--४ : "एन्टायर हिन्दी के छात्रों के लिए"

"स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास (१९८५ ई. तक) एवम् गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास"

अध्यापन संबंधी सूचना :

(१) इतिहास का प्रश्नपत्र होने के कारण किसी प्रवृत्ति या विद्या का विकास एवं ऐतिहासिक महत्व से संबंधित प्रश्न अपेक्षित है, विश्लेषणात्मक नहीं ।

(२) इतिहास से संबंधित प्रश्नों के उत्तर में पृष्ठभूमि, परिस्थितियां, विद्या या प्रवृत्ति का अभिप्राय, प्रारंभ-नामकरण, अन्य विद्या या प्रवृत्ति से संबंध, कथ्य और शिल्पगत विशेषताए, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाए, उपलब्धियां एवं सीमाए आदि मुद्दे हो सकते है ।

इकाई-१ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता :

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियां :

(क) प्रयोगवाद, (ख) नयी कविता (ग) अकविता (घ) जनवादी कविता या प्रतिबद्ध कविता (च) नवनीत धारा (छ) समकालीन हिन्दी कविता (ज) खण्डकाव्य

नयी कविता : पृष्ठभूमि, नयी कविता का अभिप्राय, प्रयोगवाद और नयी कविता, कथ्य और शिल्पगत विशेषताए, प्रमुख कवि, उपलब्धि एवं सीमाए ।

नवनीत धारा : पृष्ठभूमि, गीत परंपरा और नवगीत, छायावादी संस्कार और नवगीत, विशेषताएं-ग्रामांचल के प्रति स्थान, सामाजिक बदलाव के प्रति रुख, बोलचाल की भाषा, लोकधुन और लय का समावेश, प्रमुख नवगीतकार, उपलब्धियां और सीमाए ।

इकाई-२ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास :

(क) आंचलिक उपन्यास (ख) मनोवैज्ञानिक उपन्यास (ग) समाजवादी उपन्यास (घ) ऐतिहासिक उपन्यास (घ) प्रयोगवर्मा उपन्यास (छ) लघु उपन्यास ।

इकाई-३ : स्वातंत्र्योत्तर एकांकी, नाटक एवं आलोचना :

(क) स्वातंत्र्योत्तर एकांकी-पृष्ठभूमि, नया उन्मेष रंगोतना, कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताए, प्रमुख एकांकीकार, उपलब्धिया एवं सीमाए।

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक-पृष्ठभूमि, आधुनिक रंगमंच और हिन्दी नाटक, प्रारंभिक प्रयास-अश्क, माथुर के नाटक, मोहन राकेश के नाटक एवं हिन्दी नाटक में रंगचेतना, साठोत्तरी प्रयोगशील नाटक, अनूदित नाटक-बंगला, मराठी, कन्नड, गुजराती आदि, प्रमुख नाटककार एवं नाटक।

देशो-विदेशी नाटककारों एवं नाटकों का हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर प्रभाव, नुक्कड नाटक, उपलब्धियां एवं सीमाए।

(१) प्रयोगशील नाटक :

पृष्ठभूमि, परिस्थितियां, प्रयोगशीलता का उन्मेष, कथ्य के संदर्भ में, शिक्षा के संदर्भ में, मंच के स्तर पर, भाषा के स्तर पर, प्रमुख प्रयोगशील नाटककार एवं नाटक, शक्ति, सीमा एवं संभावनाए।

(२) गीतिनाट्य :

पृष्ठभूमि, गीतिनाट्य का वैशिष्ट्य, नाटक और गीतिनाट्य, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गीतिनाट्य : एक सर्वेक्षण, प्रमुख हिन्दी गीतिनाट्य, उपलब्धियां एवं सीमाए।

(३) नुक्कड नाटक :

उद्‌भव एवं विकास, सामाजिक आंदोलन और नुक्कड नाटक, नुक्कड नाटक और मंथ, नुक्कड नाटक और दर्शक, हिन्दी में नुक्कड नाटक आन्दोलन, विशेषताए, शक्ति, सीमा एवं संभावनाए।

(४) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना :

पृष्ठभूमि-हिन्दी आलोचना का उदय – पं. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना :

(१) काव्यशास्त्रीय आलोचना (२) स्वच्छन्दतावादी आलोचनो

(३) मार्क्सवादी आलोचना (४) नई आलोचना

(५) मनोविश्लेष्णात्मक आलोचना (६) नई आलोचना

हिन्दी आलोचना में विचारधारात्मक संघ का स्वस्थ-कविता क्या है, कवि कर्म का स्वस्थ, कविता की स्वायत्तता, विचारधारा और साहित्य, परम्परा और प्रतिबद्धता, उपलब्धियां एवं सीमाए।

इकाई-४ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी, निबंध एवं जीवनीपरक साहित्य :

(क) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध :

(१) विचार प्रधान निबंध (२) ललित निबंध

(३) हास्य एवं व्यंग्यप्रधान (४) समीक्षात्मक निबंध

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी :

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी एक सर्वेक्षण, हिन्दी कहानी आन्दोलन : नयी कहानी, अकहानी, समान्तर कहानी, समकालीन कहानी तथा अन्य आन्दोलन।

नयी कहानी आन्दोलन : नयी कहानी : नामकरण और प्रारंभ, पूर्ववर्ती कहानी और नयी कहानी, वैशिष्ट्य-आधुनिक बोध नगर कथा और ग्राम कथा, नये कहानीकार और उनकी कहानियां, सीमा और उपलब्धिया।

अकहानी और समान्तर कहानी : अकहानी आन्दोलन के तर्क, अकहानी-निषेध-मूलक प्रवृत्ति, अकहानी की विशेषताए, प्रमुख कहानीकार, समान्तर कहानी, वैशिष्ट्य, कहानीकार, सीमा और उपलब्धिया।

समकालीन कहानी : जनवादी कहानी : सामाजिक और राजनैतिक पृष्ठभूमि, वैशिष्ट्य, समकालीन कहानीकार एवं कहानियां, शक्ति और संभावनाए।

(ग) आत्मकथा / जीवनी / संस्मरण / रेखाचित्र।

इकाई-५ : गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास :

(क) स्वातंत्र्योत्तर काव्य :

प्रबंध काव्य, गीत एवं गजल, समकालीन बोध और गुजरात की हिन्दी कविता।

(ख) स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य

(ग) स्वातंत्र्योत्तर कहानी

(घ) स्वातंत्र्योत्तर निबंध साहित्य

अंक विभाजन

इकाई १, २, ३, ५ से ४ आलोचनात्मक प्रश्न ४ X १५ = ६० अंक

इकाई ४ से ४ लघूत्तरी प्रश्न ४ X ५ = २० अंक

२० वस्तुनिष्ठ अतिलघुत्तरी प्रश्न २० X १ = २० अंक

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चनसिंह ; राधाकृष्ण प्रका. दिल्ली

(२) द्वितीय महासमरोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास-लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय ; हिन्दी परिषद, इलाहाबाद

(३) नयी कविता : डॉ. कान्तिकुमार, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल ।

(४) कविता के नये प्रतिमान : नामवरसिंह ; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

(५) समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ; राजकमल प्रका. दिल्ली ।

(६) नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा ; राजकमल प्रका. दिल्ली ।

(७) हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : डॉ. रामदरश मिश्र ; राजकमल प्रका. दिल्ली ।

(८) हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : संपा. रामदरश मिश्र ; गिरनार प्रका. महेसाना (उ.गु.) ।

(९) हिन्दी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख: इन्द्रनाथ मदान ; लिपि प्रका. दिल्ली ।

(१०) समकालीन हिन्दी नाटककार : गिरीश रस्तोगी ; भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली ।

(११) समकालीन हिन्दी उपन्यास : विवेकी राय ; राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद ।

(१२) गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन : संपा. रघुवीर चौधरी, डॉ. आलोक गुप्ता वार्चिकम्, हिन्दी विभा., गुजरात युनि., अहमदाबाद ।

(१३) हिन्दी के आंचलिक उपन्यास : संपा. रामदरश मिश्र, ज्ञानचंद गुप्त, वाणी प्रका. दिल्ली ।

(१४) हिन्दी कहानी के सौ वर्ष : संपा. वेदप्रकाश अमिताभ ; मधुवन प्रकाशन, मथुरा ।

(१५) नयी कविता : स्वस्थ और समस्याए : डॉ. जगदीश गुप्त, ज्ञानपीठ, दिल्ली ।

(१६) साठोत्तरी हिन्दी उपन्यास : विविध प्रयोग : डॉ. कुसुम शर्मा, श्याम प्रका., कानपुर ।

(१७) प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास : भाग १-२ ; डॉ. चमनलाल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदीगढ ।

(१८) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : देसाई, बापूराव, भारतीय ग्रंथ निकेतन ।

(१९) नया साहित्य : नये प्रश्न : आ. नन्ददुलारे वाजपेयी ; विद्यामंदिर, वाराणसी ।

(२०) आधुनिक हिन्दी साहित्य : गुजरात ; डॉ. रामकुमार गुप्त, अभिवंदन ग्रंथ प्रधान संपा. आचार्य रघुनाथ भट्ट, प्रका. हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद

(२१) स्वांतत्र्योत्तर युगीन परिप्रेक्ष्य और नुक्कड नाटक : डॉ. मदनमोहन शर्मा पार्श्व प्रका., अहमदाबाद ।